Hindi version

गर्भाशय के कैंसर : स्तन कैंसर, अंड़ाशय कैंसर और गर्भकोश कैंसर के बाद बच्चेदानी/गर्भाशय का कैंसर हांगकांग की महिलाओं में पाया जाने वाला आम कैंसर है।

खतरे के कारक

- असुरक्षित संभोग करने की वजह से।
- छोटी आयु में संभोग करने की वजह से।
- एक से अधिक आदमियों के साथ शारीरिक संबंध की वजह से।
- धूम्रपान करने की वजह से।
- शरीर में बिमारियों से लड़ने की शक्ति कम होने की वजह से।

गर्भाशय के कैंसर से कैसे बचा सकती है।

- सुरक्षित संभोग के साध्नों जैसे निरोध का इस्तेमाल
- शारीरिक संबंधें को एक ही व्यक्ति तक सीमित रख
- धूम्रपान छोड़ कर।
- स्वस्थ जीवन शैली अपना कर।

Safe Sex. No Regrets.

बच्चेदानी/गर्भाशय के कैंसर की जाँच

- बच्चेदानी के कैंसर की नियमित जाँच एक साधरण परीक्षण है। इस परीक्षण के दौरान योनि की जाँच करके गर्भाशय के मुँह पर विकसित किसी भी प्रकार के असामान्य बदलाव की परख की जाती है।
- बच्चेदानी के कैंसर की जाँच दर्द रहित, कम खर्च अथवा आसानी से उपलब्ध है। इस जाँच में कोई ज्यादा समय भी नही लगता।
- योनि में विकसित किसी भी प्रकार के असामान्य बदलाव की समय रहते जाँच अथवा ईलाज इस को आगे बढने से रोकता है। ऐसा करके आप एक सेहतमंद जीवन प्राप्त कर सकते है।

वे कौन सी महिलाएं और कब जाँच करवानी चाहिए।

- 25 से 64 वर्ष की आयु तक की वह सभी महिलाएं जिन्होने अपनी जिंदगी में कभी संभोग किया हो।
- महिलाओं को बच्चेदानी/गर्भाशय के कैंसर की 2 वर्ष तक नियमित जाँच करवानी चाहिए। यदि पहले 2 वर्ष की जाँच के परिणाम ठीक हों तो अगली जाँच प्रत्येक 3 वर्ष बाद करवानी चाहिए। यह जाँच 64 वर्ष की आयु तक करवाते रहना चाहिए।

- बच्चेदानी/गर्भाशय के कैंसर की नियमित जाँच के लिए आप अपने परिवारिक चिकित्सक, स्त्री रोंगों के विशेषज्ञ, सर्वजनिक चिकित्सक, गैर–सरकारी संस्थाओं अथवा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित माँ और बच्चे के स्वास्थ्य केंद्रों पर भी जा सकते है।
- कुछ महिलाएं जो पहले से ही बच्चेदानी/गर्भाशय के कैंसर की दवाई ले चुकी है, उनको भी अपनी सुरक्षा निशचित बनाने के लिए बच्चेदानी/गर्भाशय की नियमित जाँच करवाते रहना चाहिए।

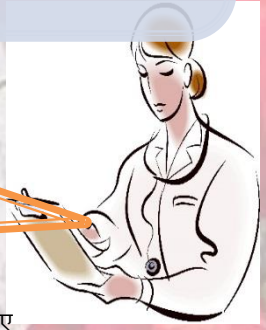

यह जानकारी बच्चेदानी/गर्भाशय के कैंसर से बचाव संबंधी प्रोगराम के तहित दी गई है। अधिक जानकारी के लिए आप इस वैंबसाइट www.cervicalscreening.gov.hk